

10.01.22

पत्रावली पेश हुई। बार-बार आवाज दिलाई गई, न अधिवक्ता अपीलान्त और न अपील स्वयं उपास्थित हुआ। अतः पत्रावली अदम टाजरी, अदम पैरवी में रजिस्ट्रार की जाली है। पत्रावली फैसल शुमार लेकर नम्बर से कम की जावे, बाद जाला काखिल यफ्तर थे। ✓

सुभाष चण्डिका,
रदेर
सुभाष चण्डिका
सुभाष चण्डिका-वीरपुर